क्या । अकोर्ड क्या है

वेस्ट कोस्ट वेनकोवर अकोर्ड लिंग पहचान और मानव लैंगिकता पर पवित्रशास्त्र के अधिकार से संबन्धित एक दस्तावेज़ है।

कौन । यह किसके लिए है

पारम्परिक, बाइबल आधारित, इवेंजलिकल पास्टरों, कलीसियाओं और अगुवों के लिए।

क्यों । उद्देश्य क्या है

1) यह पुनः स्थापित करने में हमारी सहायता के लिए कि ऐसे समय और पीढ़ी में 'इवेंजलिकल मसीही' होने का क्या अर्थ है जब दीर्घकालिक, पारम्परिक मान्यताओं, धारणाओं और जीवन शैली में तेज़ी से बदलाव आ रहा है: और 2) उन पास्टरों और अगुवों को एक साथ स्थापित करने में हमारी सहायता के लिए जो एक साथ मिलकर इन उपरोक्त विषयों पर कार्य करने को तैयार हैं।

वेस्ट कोस्ट वेनकोवर अकोर्ड (WCCA) गोपनीय

धारा 1

हम दृढ़ता से कहते हैं यीशु मसीह राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु, परमेश्वर का अनन्तकालीन पुत्र और समस्त मानवजाति का एकमात्र उद्धारकर्ता है!

हम इन्कार करते हैं कि उद्धार यीशु मसीह के सिवाय किसी दूसरे नाम या साधन से मिल सकता है।

धारा 2

हम दृढ़ता से कहते हैं बाइबल सभी पीढ़ियों और सभी जातियों के लिए परमेश्वर का पवित्र और प्रेरणा से लिखित वचन है।

हम इन्कार करते हैं की यौन, नैतिकता, धार्मिकता और उद्धार की जानकारी को समय व परम्परा के साथ बाइबल को नया रूप देने पर। हमारे विचार से ये सब आधुनिक समय की परमेश्वर की प्रगट इच्छा के विपरीत विधर्म की बातें हैं।

धारा 3

हम दृढ़ता से कहते हैं क्रूस पर यीशु मसीह की समस्त मानवजाति के लिए प्रतिस्थापन्न मृत्यु पापों की क्षमा को लाई और मानव इतिहास में प्रेम का एकमात्र सबसे बड़ा कार्य है।

हम इन्कार करते हैं कि कोई भी व्यक्ति यीशु मसीह पर विश्वास करने और पश्चात्ताप के व्यक्तिगत कार्य के अतिरिक्त अनुग्रह के बिना परमेश्वर से मेल कर सकता है।

धारा 4

हम दृढ़ता से कहते हैं कि यीशु मसीह, पृथ्वी पर राज्य करने और न्याय करने को लौटेगा और कि इस सच्चाई को जानने पर हमें तात्कालिकता के भाव के साथ धार्मिकता के लिए काम करना है।

धारा 5

हम दृढ़ता से कहते हैं कि परमेश्वर ने विवाह में अनुबंधित यौन, प्रजनन, जीवन पर्यन्त एकता में स्त्री-पुरुष को पति पत्नी के रूप में रखा है, जो यीशु मसीह और उसकी दुल्हन, कलीसिया, के बीच अनुबंधित प्रेम को चिह्नित करता है।

हम इन्कार करते हैं कि परमेश्वर ने विवाह को समलिंगी, बहुविवाह या बहुविवाही संबन्धों में बनाया है। हम इससे भी इन्कार करते हैं कि विवाह परमेश्वर के सामने किये गए अनुबंध के विपरीत केवल मानवीय अनुबंध है।

धारा 6

हम दृढ़ता से कहते हैं कि सभी लोगों के लिए परमेश्वर की प्रगट इच्छा विवाह से पहले शुद्धता और विवाह में सत्य-निष्ठा से रखना है।

हम इन्कार करते हैं कि विवाह से पहले या विवाह के बाद किसी दूसरे व्यक्ति के साथ प्रेम, लालसा, समर्पण, यौन संबन्ध में रहना सही है, न ही किसी भी तरह की यौन अनैतिकता सही है।

धारा 7

हम दृढ़ता से कहते हैं कि परमेश्वर ने प्रथम मनुष्यों, आदम और हव्वा, को अपने स्वरूप, एक समान आदर और समान महत्व वाले व्यक्तियों के रूप में बनाया, और उनमें नर और नारी के रूप में अन्तर रखा। ये ईश्वरीय भिन्नता मनुष्य की भलाई और मनुष्य के फलने-फूलने के लिए की गई।

हम इन्कार करते हैं कि नर और नारी के बीच की ईश्वरीय निर्धारित भिन्नता उन्हें आदर व महत्व में भी अलग रखती है।

धारा 8

हम दृढ़ता से कहते हैं कि नर और नारी की पुनरुत्पादक बनावट के बीच का अन्तर परमेश्वर की रचना में अविभाज्य है जो नर और नारी की अपनी अलग पहचान को दिखाता है।

हम इन्कार करते हैं कि सृष्टि और छुटकारे के परमेश्वर के पवित्र उद्देश्य में जैसा पवित्रशास्त्र में प्रगट है कि समलिंगी या लिंग बदलाव की धारणा स्वीकार्य है।

धारा 9

हम दृढ़ता से कहते हैं कि जिन लोगों का जन्म यौन विकास में किसी गड़बड़ी (डिसऑर्डर ऑफ सैक्स डपलवमेंट) की दशा में हुआ है, उन्हें भी परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया है और वे अन्य मनुष्यों के समान ही बराबर आदर व महत्व पाने के योग्य हैं। हमारे प्रभु यीशु मसीह ने अपने वचन में ऐसे लोगों के बारे में बताया है, ''कुछ नपुंसक ऐसे हैं, जो माता के गर्भ ही से ऐसे जन्मे।'' दूसरों के साथ-साथ उनका भी यीशु मसीह के विश्वासयोग्य अनुयायियों के रूप में स्वागत होता है और उनकी जैविक यौन गड़बड़ी को स्वीकार किया जाता है।

हम इन्कार करते हैं कि एक व्यक्ति की यौन संबन्धी अस्पष्टता के कारण वह यीशु मसीह की आज्ञाकारिता में आनंददायी जीवन जीने में असमर्थ है।

धारा 10

हम दृढ़ता से कहते हैं कि जो लोग समान लिंग के प्रति यौन आकर्षण को अनुभव करते हैं वे यीशु मसीह में विश्वास करने के द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला भरपूर और फलदायी जीवन जी सकते हैं, क्योंकि उन्होंने सभी मसीहियों के समान, पवित्रशास्त्र के अनुसार जीवन की शुद्धता में चलने का चुनाव किया है।

हम इन्कार करते हैं कि यौन अनैतिकता में रहना अनैतिक यौन व्यवहार को सही ठहराता है।

धारा 11

हम दृढ़ता से कहते हैं कि समलिंगी अनैतिकता या लिंग परिवर्तन को सही ठहराना पवित्रशास्त्र के प्रतिकूल है और इन चीज़ों को सही ठहराना बाइबल के मूल्यों और मसीही गवाही के विरुद्ध जाना है।

हम इन्कार करते हैं कि समलिंगी अनैतिकता या लिंग परिवर्तन को सही ठहराना नैतिक भिन्नता का विषय है जिसके लिए मसीही इससे असहमत होने को सहमत हैं।

धारा 12

हम दृढ़ता से कहते हैं कि यीशु मसीह में परमेश्वर का अनुग्रह करुणामयी क्षमा और बदलने की सामर्थ दोनों को देता है, और यह क्षमा और बदलने की सामर्थ यीशु मसीह के अनुयायी को पापी लालसाओं को मार डालने और प्रभु के योग्य चाल चलने में समर्थ करती है।

हम इन्कार करते हैं कि यीशु मसीह में परमेश्वर का अनुग्रह सभी यौन संबन्धी पापों को क्षमा करने और प्रत्येक उस विश्वासी को पवित्रता की सामर्थ देने में असमर्थ है जो अपने को यौन संबन्धी पाप के प्रति खिंचा पाते हैं।

धारा 13

हम दृढ़ता से कहते हैं कि यीशु मसीह में परमेश्वर का अनुग्रह पापियों को लिंग परिवर्तन की स्व-अनुभूति को छोड़कर परमेश्वर के नर और नारी के बीच ठहराए संबन्ध को स्वीकार करने में समर्थ करता है।

हम इन्कार करते हैं कि यीशु मसीह में परमेश्वर का अनुग्रह पवित्रशास्त्र में प्रगट परमेश्वर की इच्छा के प्रतिकूल स्व-अनुभूति को सही ठहराता है।

धारा 14

हम दृढ़ता से कहते हैं कि यीशु मसीह संसार में पापियों को बचाने के लिए आया और कि, यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा, प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए पापों की क्षमा और अनन्त जीवन उपलब्ध है जो पापों से पश्चात्ताप करता और यीशु मसीह पर एकमात्र उद्धारकर्त्ता और प्रभु के रूप में भरोसा करता है। कि प्रभु का हाथ इतना छोटा नहीं है कि बचा न सके और कि कोई भी पापी उससे दूर नहीं है।

- उत्प. 1:26-28
- उत्प. 2:15-25
- उत्प. 3:1-24
- निर्ग. 20:14
- निर्ग. 20:17
- लैव्य. 18:22
- लैव्य. 20:13
- व्यवस्था. 5:18
- व्यवस्था. 5:21
- न्यायियों 19:22
- 2 शमू. 11:1-12:15
- अय्यूब 31:1
- भजन. 51:1-19
- नीति. 5:1-23
- नीति. 6:20-35
- नीति. 7:1-27
- यशा. 59:1
- मला. 2:14
- मत्ती 5:27-30
- मत्ती 19:4-6
- मत्ती 19:8-9
- मत्ती 19:12
- प्रेरित. 15:20, 29
- रोमि. 1:26-27
- रोमि. 1:32
- 1 कुरि. 6:9-11
- 1 कुरि. 6:18-20
- 1 कुरि. 7:1-7
- 2 कुरि. 5:17
- गला. 5:24
- इफि. 4:15
- इफि. 4:20-24
- इफि. 5:31-32
- कुलु. 3:5
- 1 थिस्स. 4:3-8
- 1 तीमु. 1:9-10
- 1 तीमु. 1:15
- 2 तीमु. 2:22
- तीतुस 2:11-12
- इब्रा. 13:4
- याकूब 1:14-15

वेस्ट कोस्ट वेनकोवर अकोर्ड (WCCA) गोपनीय

- 1 पत. 2:11
- यहूदा 7

घोषणा

जो माता या पिता को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं और जो बेटा या बेटी को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं। और जो अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले वह मेरे योग्य नहीं। जो अपने प्राण बचाता है, वह उसे खोएगा। और जो मेरे कारण अपना प्राण खोता है, वह उसे पाएगा। मत्ती 10:37-38

आज वेस्ट कोस्ट क्रिश्चियन अकोर्ड (WCCA) पर हस्ताक्षर करके मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मैंने बड़े ध्यानपूर्वक और प्रार्थना सहित अपने समर्पण पत्र को देखा है और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से और जिनकी मैं अगुआई करता हूँ इसकी एक कीमत है।

WCCA पर हस्ताक्षर करके मैं सबसे पहले उनके साथ खड़े रहने की वचनबद्धता करता हूँ जो अभी मेरे साथ सार्वजनिक रूप से इस दिन हस्ताक्षर कर रहे हैं। मैं यह मानता हूँ कि जबकि पूरे अगुआई दल ने प्रगटीकरण के इस दिन और समय को चुना, यह एक ऐसा समय और ढंग हो सकता है जो अनपेक्षित और शत्रुतापूर्ण दोनों ही है। यदि मैं क्षेत्र में हूँ तो प्रगट किये जाने के समय में उपस्थित होने की वचनबद्धता कर रहा हूँ।

WCCA पर हस्ताक्षर करके मैं उस अगुआई प्रभाव के प्रति समर्पण कर रहा हूँ जो मुझे सौंपा गया है कि कई पास्टरों, अगुवों और लोगों को संगठित करूं, क्योंकि मैं SOGI 123 पाठ्यक्रम और पॉलिसी के विरोध में लड़ाई कर सकता हूँ जो WCCA में व्यक्त मान्यताओं और विश्व-दृष्टिकोण को पकड़े रखने के लिए किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है।

WCCA पर हस्ताक्षर करके मैं उन लोगों से महत्व और प्रेम सहित व्यवहार करने की वचनबद्धता कर रहा हूँ जो मुझसे सहमत नहीं हैं और मैं अनुग्रह और सत्य को बताने की वचनबद्धता कर रहा हूँ। मैं उन बच्चों व परिवारों के लिये भद्रता और दया सहित कार्य करूंगा जो SOGI के विषयों से संघर्षरत् हैं। जैसे यीशु ने बच्चों और समाज के निम्न लोगों का स्वागत किया, मैं यीशु द्वारा व्यक्त सत्य को लेकर उसी के समान काम करने की वचनबद्धता कर रहा हूँ।

.....

हस्ताक्षर

.....

तिथि

WCCA/ जुड़ने की घोषणा

आज वेस्ट कोस्ट क्रिश्चियन अकोर्ड (WCCA) पर हस्ताक्षर करके मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मैंने बड़े ध्यानपूर्वक और प्रार्थना सहित अपने समर्पण पत्र को देखा है और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से और जिनकी मैं अगुआई करता हूँ इसकी एक कीमत है।

WCCA पर हस्ताक्षर करके मैं उस अगुआई प्रभाव के प्रति समर्पण कर रहा हूँ जो मुझे सौंपा गया है कि कई पास्टरों, अगुवों और लोगों को संगठित करूं, क्योंकि मैं SOGI 123 पाठ्यक्रम और पॉलिसी के विरोध में लड़ाई कर सकता हूँ जो WCCA में व्यक्त मान्यताओं और विश्व-दृष्टिकोण को पकड़े रखने के लिए किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है।

WCCA पर हस्ताक्षर करके मैं उन लोगों से महत्व और प्रेम सहित व्यवहार करने की वचनबद्धता कर रहा हूँ जो मुझसे सहमत नहीं हैं और मैं अनुग्रह और सत्य को बताने की वचनबद्धता कर रहा हूँ। मैं उन बच्चों व परिवारों के लिये भद्रता और दया सहित कार्य करूंगा जो SOGI के विषयों से संघर्षरत् हैं। जैसे यीशु ने बच्चों और समाज के निम्न लोगों का स्वागत किया, मैं यीशु द्वारा व्यक्त सत्य को लेकर उसी के समान काम करने की वचनबद्धता कर रहा हूँ।

.....
हस्ताक्षर

.....
तिथि